दिनांक 17 मार्च, 1983

न्द्रमांक 207-ज-I-83/9381.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्राधिनियम, 1948 (जैसाँ कि उसे हिरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें माज तक संशोधन किया गया है), की घारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के भनुसार सौंपे गए भिष्ठकारों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपील भी जागे राम, पुत्र श्री हिरि सिंह, गांव नकलोई, तहसील व जिला सोनीपत, को रबी, 1969 से रुबी, 1970 तक 100 रपए दार्षिक, खरीफ़, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शसों के मनुसार सहयं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 66-ज-I- 83,9385.--हिन्याणा सरकार, राजस्व विकास की हिन्याणा सरकार के राजपन में दिनांक 29 नवम्बर, 1977 को प्रकाशित हुई ग्रिधिस्चना क्रमांक 1687-ज-I-77/29613, दिनांक 24 नवम्बर, 1977 जिसके द्वारा कीमती जोगिन्द्रकार, विधवा श्री नेन्द्र सिंह, गांत गणेकपुर, तहसील नारायणगढ़, फिला श्रम्बाला, की कागीर मन्सूख की गई थी, वापिस ली जाती है।

दिनांक 22 मार्च, 1983

क्रमांक 267-ज (II)-83/5941.--श्रा हरदयाल सिंह, पुत्र श्री देवा राम, गांव देरी, तहसील व दिला महेन्द्रगढ़ की दिलांक 20 सितम्बर, 1977 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुरकार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के दिशीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री हरदयाल सिंह की मुब्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2602-ज-I-75/31095, दिशांक 16 अवतूबर, 1975 हारा मंजूर की गई थी, अब इसकी विधवा श्रीमती मनकोरी के नाम रेबी, 1978 से खरीक, 1979 तक 150 रुपए वादिक तथा रिवी, 1960 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

त्रमांक 266-ज (II)-83/9947.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार शिवित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा रात्या में श्रपनाया गया है और उसमें शाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रनुसार सौपे गए शिविकारों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल, श्री भगड़ावत सिंह, पुत्र श्री कालू सिंह, गांव राजगढ़, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, को रवी, 1973 से खरीफ़, 1979 तक 150 रपये शिविक तथा रखी, 1980 से 300 रपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, समद में दी गई शर्तों के शनुसार सहस्व प्रदान किरते हैं।

दिनांक [23 मार्च, 1983

क्मांक 248-छ (II)-83/10136.--श्री बिहारी, पुत्र श्री सीता राम, गांव सैदपुर, तहसील नारनील, जिला महेन्द्र गढ़, की दिनांक 27 नवावर, 1978 को हुई मृत्यू के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाय युद्ध, पुरुक्तार प्रधिनियम, 1948 (जैसा) कि उसे हरियाणा, राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के प्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री बिहारी को मुख्लिग 150 रुपये वाधिक की जागीर जो उसे पंजाब/हूरियाणा सरकार की प्रधिसूचना क्रमांक 7701-ज(II)-66/15004, दिनांक 27 जून, 1966 तथा अधिसूचना कर्मांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, प्रव एसकी विधवा श्रीमती मोहरली के नाम खरीफ, 1979 के लिए 150 रुपये वाधिक सथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शतों के प्रतगंत प्रधान करते हैं।

दिनांक 31 मार्च, 1983

अमांक 329-ज (II)-83/11107.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिष्ठित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रनुसार सीपे गये श्रीष्ठकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्री जगन सिंह चौहान, 9व श्री रघुनाथ सिंह, गांव रातेरा, तहसील बवानी खंड़, जिला भिवानी, को रबी, 1975 से खरीफ, 1979 हिंक 150 रुपये वार्षिक हैं में दी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की मत की युद्ध खागीर सन्दर्भी दी गई शर्तों के श्रनुसार सहके प्रदान करते हैं।